संविधानमे विविधता आ सामाजिक समावेशीकरणक पहिचान

नेपालमे सहभागितामूलक संविधान निर्माण पुस्तिका शृंखला
संख्या - ९

CCD
Centre for Constitutional Dialogue
संवैधानिक संवाद केन्द्र

मैथिली

नेपालमा सहभागितामूलक संविधान निर्माण परियोजना- युएनडीपी

प्रकाशक

संवैधानिक संवाद केन्द्र

प्रथम संस्करण: २०६५ साल

प्रतिलिपि अधिकार © संवैधानिक संवाद केन्द्रमे सर्वाधिकार सुरक्षित अछि । सामग्रीक स्रोतक रुपमे संवैधानिक संवाद केन्द्रक नामे साभार व्यक्त क' गैरव्यावसायिक प्रयोजनक लेल ई पुस्तकक अंशसभ पुन:प्रकाशन आ/अनुवाद कएल जा सकैत अछि। पुन:प्रकाशन आ/अनुवादक एकप्रति संवैधानिक संवाद केन्द्रकँ उपलव्ध कराओल जाएत ।

साजसज्जा आ मुद्रण

प्रिन्ट प्वाइन्ट पब्लिसिङ्ग, त्रिपुरेश्वर, काठमाण्डू ।

विशेष जानकारी अथवा ई पुस्तकक प्राप्तिक लेल निम्नलिखित स्थानपर सम्पर्क राखब :

संवैधानिक संवाद केन्द्र

तेसर आ चारिन तल्ला, अल्फा बेटा कम्प्लेक्स, बुद्धनगर, काठमाण्डू

टेलिफोन नं.: ९७७-१-४७८५४६६/४७८५४८६/४७८५९९८

ई –मेल: info@ccd.org.np

वेब साइट: www.ccd.org.np

संविधानमे विविधता आ सामाजिक समावेशीकरणक पहिचान

पुस्तिका शृंखला ९

संविधानमे विविधता आ सामाजिक समावेशीकरणक पहिचान १

परिचय १

नेपालमे विविधता आ सामाजिक समावेशीकरणक चुनौतीसभ ४

विविधता आ सामाजिक समावेशिता कोना सुनिश्चित कएल जा सकैए ? ५

संवैधानिक विकल्प ६

निष्कर्ष ८

संविधानमे विविधता आ सामाजिक समावेशीकरणक पहिचान

परिचय

संविधानसभा एखन नेपालक नव संविधान लेखनक कार्यमे व्यस्त अछि । संविधानसभा एक प्रतिनिधिमूलक निकाय अछि । संविधान निर्माणप्रक्रियामे एहिसँ पहिने कहिओ सहभागी नहि भेल महिला, आदिबासी जनजाति, सीमान्तकृत जाति आ अल्पसंख्यक समूहसभक नम्हर संख्या संविधानसभामे रहल अछि । संविधानमार्फत नेपालक विविध समुदायसभक सरोकारसभकेँ (सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण समस्यासभकेँ) सम्बोधन करबालेल संविधानसभा जनतासंग परामर्श क' रहल अछि ।

विश्वमे बहुत कम देश समरूपी अछि । बहुतरास देशमे विविधता रहल पाओल जाइत अछि । एहन देशसभमे पृथक-पृथक भाषा बाज'बला, पृथक-पृथक संस्कृति अवलम्बन कर'बला आ पृथक-पृथक धर्म मान'बला जनता रहैत अछि । ई ओकरासभक सामाजिक जीवनक यथार्थ अछि । मुदा, ई बात सदैव पहिचान पओने अथवा ओतेक उत्साहपूर्ण रूपसँ नहि लेलगेल रहैत अछि । विगतमे बहुत शासकसभमे देशकेँ एकीकरण करबालेल एकटा सभ्क्रिया संस्कृति, भाषा, आ धर्मक पहिचान करब आवश्यक होइत अछि ताहि बातमे विश्वास रहल पाओल जाइत अछि । ई सेहो विश्वास कएल जाइत अछि जे एहिसँ सरकार बेसी दक्ष आ प्रभावकारी बनैत अछि । ई नीति आन संस्कृतिसभकेँ बलपूर्वक दबाक' आ ओकरासभकेँ प्रभुत्वमे रहल संस्कृतिमे विलय कराक' अस्तित्व न्यूनीकरण कर'बला एकताक नीतिक दिस उन्मुख करौलक । बहुत धर्म, जातीय समूहसभ आ आदिबासी जनजातिसभ रहल देश नेपालक हकमे सेहो ओहने भेल, मुदा, एत' विगतमे सदैव नेपाली भाषा आ हिन्दू धर्मकेँ प्राथमिकता देल गेल । 'विविधता'क अस्तित्वक पहिचान आ ओकरा उत्सवक रूपमे लेबाक काज राष्ट्र निर्माणकेँ फरक प्रकारक अवधारणासँ सहयोग करैत अछि। राष्ट्र निर्माणक ई अवधारणा "बहुलबाद"क धारणापर आधारित अछि, जे राज्यक सन्दर्भमे प्रत्येक समुदायक विशिष्टता आ मूल्यमान्यतासभकेँ पहिचान करैत अछि । एहिसँ अपन धर्म आ संस्कृति मानबाक बातमे राज्य ओकरासभक पहिचानकेँ संरक्षण प्रदान करैत अछि आ देशक समस्त सामाजिक, राजनितिक आ आर्थिक जीवनमे ओकरासभकेँ समावेशीकरणक लेल नागरिकक व्यक्तिगत आ सामूहिक अधिकारक पहिचान करैत अछि । बहुलबाद मूल्य आ मान्यतापर आधारित पद्धति अछि । ई ओहन सक्रिय वातावरणक सिर्जना

करैत अछि जाहिसँ फरक-फरक धर्म संस्कृति आ परम्परासभ एके देशमे सहअस्तित्वमे रहैत अछि। ई विविधताकेँ सम्पन्न करबामे अवसरि प्रदान करैत अछि।

मुदा, बहुलता स्वयं मुस्किलसँ विकसित होइत अछि। ई (बहुलता) पृथक-पृथक समुदायसभक स्वतन्त्रताक संगहि राज्यसंगक सम्बन्ध रखबाक लेल सहयोगक शर्तसभ दुनूक सम्बन्धमे ठोस नीति आ अभ्यासद्वारा विकसित होइत अछि। ई बहुतरास जातीय आ धार्मिक समूहसभ आ समुदायसभक बीच सह-अस्तित्वक सम्बन्ध स्थापित करैत अछि। ई प्रक्रियाद्वारा, अन्य समूहसभक संगक अन्तरक्रियाद्वारा, समूहसभ नहि त' एसगरि होइत अछि आ नहि त' ओकरासभक पहिचानक समाप्तिए होइत छैक। बहुलबाद बहुपहिचानकेँ मान्यता दैत अछि। ई प्रक्रिया विभिन्न समूहसभक अन्तर्गत आ दोसर समूहसभक संग विचार-विमर्श आ सहमति निर्माणक काजकेँ प्रवर्द्धन करैत अछि।

मुदा, ई बातपर सेहो ध्यान देबाक चाही जे जातीय तथा धार्मिक समुदायसभक बीच सेहो परम्परागत अभ्याससभ भ' सकैत अछि जे महिला तथा निचुका जाति समूहक बिरूद्ध भेदभाव करैत अछि। ओहन समूहसभक अपन सांस्कृतिक अभ्यासक अधिकारक रक्षा वास्तवमे अपने समुदायक सदस्यसभक बीच भेदभाव क' सकैत अछि। ई समूहसभक प्रचलनसभमे सुधारक लेल आग्रह करब हस्तक्षेपक रूपमे देखल जा सकैत अछि। पैघ जातीय आ धार्मिक समूहसभक स्वायत्तताक सामूहिक अधिकारद्वारा व्यक्तिगत मानवअधिकारकेँ खण्डित नहि करबाक चाही, विशेष क' समूहअन्तर्गतक महिला आ सीमान्तीकृत वर्गक जनताक हकमे।

उल्लेखनीय दोसर वास्तविकता ई अछि जे बहुतरास देशसभमे समुदायसभ अछि जे अल्पसंख्यकक धर्म मानैत अछि, पृथक भाषा बजैत अछि आ परम्परासभ ग्रहण करैत अछि ताहि कारणसँ ओत' सीमान्तकृत अछि। सरकार अथवा अर्थव्यवस्थामे ओकरासभकेँ न्यून रूपसँ प्रतिनिधित्व कराओलगेल रहैत अछि आ ई बहिष्करणक चक्रकेँ निरन्तरता प्रदान क' सकैत अछि। विविधताक पहिचान आ सामाजिक समावेशीकरणक सुनिश्चितताक आधार हृदय समानताक अवधारणा रहल अछि। प्रत्येक जाति, जातीयता, भाषा, धर्म आ समुदायक सदस्यसभ देशक लेल समान रूपसँ महत्त्वपूर्ण होइत अछि ई ताहि बातकेँ पहिचान करैत अछि। समानताक अवधारणा संविधानसँ संरक्षित होइत अछि आ एकर खास महत्त्व अछि। संविधान देशक मूल कानुन अछि। देशक सरकारक स्वरूप, संरचना आ संचालन इएह मूल कानुनद्वारा निर्धारित भेल रहैत अछि।

बहुलबाद आ समावेशीकरणकेँ प्रोत्साहन देबाक लेल संविधानमे किछु मान्यतासभक व्यवस्था कएल जा सकैत अछि। उदाहरणक लेल बहुधार्मिक देशमे राज्य धर्मनिरपेक्ष होइत अछि, ई बातक निर्णय कएल जा सकैत अछि आ धार्मिक स्वतन्त्राक प्रत्याभूति कएल जा सकैए।

कोनो एक खास धर्मकेँ राज्यक धर्मक रूपमे स्वीकार कर'बला राज्य अथवा राजनीतिक प्रणाली बहुलबादी नहि भ' सकैत अछि । आ ई भेदभावसँ सिर्जना होब'बला खतराकेँ आमन्त्रण क' सकैत अछि । मौलिक अधिकार जाति, जातीयता, धर्म, भाषा, अथवा संस्कृतिक आधारपर नहि भ' प्रत्येक व्यक्तिक लेल समान रुपसँ सुनिश्चित होबाक चाही । ऐतिहासिक रूपसँ भेदभााव कएलगेल मनुष्यसभकेँ राज्यक मूलधारमे अनबालेल संविधान विशेष प्रकारक व्यवस्था क' सकैत अछि । सभक लेल समान अधिकार विविधताक पहिचान आ राजनीतिक प्रक्रियामे सहभागी होबाक जनताक अधिकारसभ जनताकेँ सशक्तीकरणक लेल अवसरि प्रदान करैत अछि ।

तहिना, सरकारमे सभ जनताक प्रतिनिधित्व अछि आ ओकरासभक विकासमे अधिकार आ वास्तविक पहुँच दुनू रहल अछि ताहि बातक सुनिश्चितताक लेल सामाजिक समावेशिताक स्पष्ट परिभाषित नीति आवश्यक होइत अछि । संघीयता (अर्थात् अधिकारक निक्षेपण आ स्थानीय स्वायत्तता) सरकार संचालनक रणनीति अछि जकरा जनताक सहभागिता आधार प्रदान करैत अछि । ई जनताक अधिकारक दावी करैत एहिमे रहल किछु मुद्दासभ (समस्यासभ) सम्बोधन करबालेल सरकार सञ्चालनमे प्रयोग होइत अछि ।

संघीय प्रणालीमे सरकारकेँ जनताक लग आनल गेल रहैत अछि । राज्यअन्तर्गत बहुतरास स्थानीय समुदायसभ प्रतिनिधित्व आ सहभागिताक अवसरि पबैत अछि । ओकरोसभकेँ अपन भाषा आ संस्कृतिक संगहि स्थानीय चाहनाक संरक्षण करबामे विशेष अवसरि भेटि सकैत अछि। विविधतायुक्त धर्म, संस्कृति आ भाषिक पहिचान सुनिश्चित करैत व्यापक संघीय पद्धतिक सीमाअन्तर्गत रहि क' बहुधार्मिक, बहुसांस्कृतिक समाज सुनिश्चित कएल जा सकैत अछि । भारत, स्वीटजरल्याण्ड, बेल्जियम आ जर्मनी बहुजातीय देशसभ अछि जे संघीयताकेँ खास रूपसँ विविधताक संरक्षण आ बहुलताकेँ सुनिश्चित करैत अबलम्बन केने अछि। मुदा, पूर्व युगोस्लाभिया आ पूर्व सोभियत संघक उदाहरणसभ समाजमे जटिल संघीय प्रणाली विविधताकेँ सदैव सफलतापूर्वक मिला क' नहि राखि सकैत अछि ताहि बातक पुष्टि करैत अछि ।

नेपाल सेहो भाषिक विविधतामे धनिक अछि। ९० टासँ बेसी भाषासभ राज्यद्वारा पहिचान पओने अछि । मुदा, परम्परागत रूपसँ एकटा नेपाली भाषा मात्र देखल जाइत अछि जे मात्र करीब आधा जनसंख्याक मातृभाषा अछि इएह सरकारी कामकाजक आ आधिकारिक भाषा भ' गेल अछि । परिणामस्वरूप भाषिक अल्पसंख्यकसभ सीमान्तकृत भेल अछि आ बहिष्करणमे पड़ल अछि। भाषिक विविधताकेँ संविधानद्वारा सम्बोधन करबाक विभिन्न उपायसभ अछि। सामान्यतः संविधान एकटा भाषाकेँ सरकारी, राष्ट्रिय अथवा राज्यक भाषा निर्धारण करैत अछि । भाषाक प्रयोग विस्तृत विवरणक सम्बन्धमे विशेष कानुन लागू कएल जाइत अछि । किछु देशसभ बहुतरास भाषाकेँ सरकारी भाषाक मान्यता दैत अछि आ राज्यक एकाइसभकेँ उएह भाषाक

प्रयोग करबालेल आ उएह माध्यमसँ संचलित होबालेल बाध्य (लिपि समेत) करैत अछि। अधिकांश राज्यसभमे ई भाषासभ नम्हरका समुदायसभद्वारा प्रयोग होइत अछि। मुदा, कहिओकाल बहुत कम संख्यामे बाज'बला भाषासभ सेहो सरकारी कामकाजक भाषाक रुपमे समावेश भेल रहैत अछि। संघीय देशसभमे सामान्यतः राष्ट्रिय भाषाक अतिरिक्त क्षेत्रीय भाषाकेँ संघीय एकाइक सरकारी कामकाजक भाषाक रूपमे प्रयोग करबाक प्रावधान भ' सकैत अछि।

एकटा भाषाकेँ सरकारी, राज्यक अथवा राष्ट्रिय भाषाक रूपसँ सुनिश्चित करब भाषाक नियमन आ स्तरिक लेल प्रशस्त नहि होइत अछि। सामान्यतः ई सहायक कानुन निर्माण क' कएल जाइत अछि। मुदा, संविधानमे आओर भागसभ सेहो होइत अछि जे एत' सान्दर्भिक भ' सकैत अछि। जेना नेपालक अन्तरिम संविधानमे सब नागरिककेँ ओकरासभक अपन-अपन मातृभाषामे आधारभूत शिक्षा लेबाक अधिकार आ जनताद्वारा स्थानीय सरकारक स्तरिपर अपन-अपन मातृभाषाक प्रयोग क' सकबाक प्रावधान। बहुतरास देशसभ अदालतमे अपन भाषा प्रयोग करबाक अधिकार सेहो समावेश केने रहैत अछि।

नेपालमे विविधता आ सामाजिक समावेशीकरणक चुनौतीसभ

नेपाल व्यापक रूपसँ विविधतायुक्त अछि। एहि देशमे बहुतरास जाति, भाषिक आ धार्मिक समुदाय तथा आदिबासी जनजातिक उपस्थिति अछि। मुदा, नेपालक सब समुदाय समृद्ध नहि अछि। किएक त' ओसभ परम्परागतरूपसँ बहिष्करणक अनुभव केने अछि। नेपाल देशक रूपमे स्थापना भेल समयसँ हिन्दू धर्मकेँ शासन संचालन प्रणालीक महत्वपूर्ण पक्षक रूपसँ लेने छल। लिच्छवी काल (सन् ३००-७००), मल्ल काल (सन् ११००-१७६८), सँ ल'क' शाह काल (सन् १५५९-२००७), धरि शासकसभ हिन्दू धर्मकेँ बिशेष महत्व देलक। हिन्दू धार्मिक सिद्धान्त आ अभ्याससभ राजनितिक निर्णय प्रक्रियाकेँ आ राज्य सञ्चालनद्वारा महिलासभकेँ सदैव प्रभावित केलक।

नेपालमे एहि प्रकारक पहिल व्यवस्था १८५४ क मुलुकी (देशक) ऐनमे कएल गेल। ई नेपालमे प्रचलनमे रहल पूरातन जातिप्रथाक आधारपर बनाओल गेल छल। मुलुकी ऐन ई प्रचलनसभकेँ कानुनीरूपसँ बाध्यकारी बनौलक। १९५० क समयमे एकरा आधुनिकीकरण केलाक बाद आ वि.सं.२०१९ क संविधान जे भेदभाव नहि कर'बला आ समानताक अधिकारक आधार तय केने छल, ओ लागू भेलाक बादो नेपालक बहुधार्मिक आ बहुसांस्कृतिक समाजमे ई ऐनक विभेदकारी प्रभाव कायमे रहल। मुदा, उएह संविधान नेपालकेँ हिन्दू अधिराज्य कहिक' घोषणा केलक।

वि.सं. २०४७ क संविधान, जे हिन्दू मूल्य मान्यतापर आधारित छल आ वि.सं. २०६३ धरि कार्यान्वयनमे छल, विभेदकारी प्रचलनसभकेँ अन्त करबामे असफल रहल। ई संविधान नेपालकेँ

बहुजातीय, बहुभाषिक, प्रजातान्त्रिक, आविभाज्य आ सार्वभौमसत्तासम्पन्न कहिक' परिभाषित केलाक बादो नेपालकेँ हिन्दू संवैधानिक राजतन्त्रात्मक अधिराज्यक रूपमे घोषणा केलक । फलतः प्रजातन्त्रीकरण प्रक्रियाक अवधिमे जातीय समूहसभ आ धार्मिक समुदायसभक अधिकारसभ प्रभावकारी रूपसँ संरक्षित नहि भ' सकल । राज्य सरकारी कामकाजक भाषाक रुपमे नेपालीकेँ मान्यता देलक आ भाषा आ संस्कृतिक आधारपर भेदभावक काजकेँ निरन्तरता देलक । अन्य भाषासभ राष्ट्रिय स्तरिपर मान्यता आ संरक्षण पेबामे असमर्थ रहल ।

१० वर्षसँ बेसी समयधरि चलल सशस्त्र द्वन्द्वक बाद शान्ति प्रक्रियाक प्रारम्भक मसौदाक रुपमे आएल नेपालक अन्तरिम संविधान, २०६३ नेपालकेँ संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक राज्यक रूपमे घोषणा केलक । ई दस्ताबेज नेपाली जनताक लेल विविधता आ सामाजिक समावेशीकरणक उल्लेख करबामे विगतक संविधानसभसँ पृथक आ उल्लेख्य रूपसँ अग्रगामी देखल गेल । एहिमे मानवअधिकारक संरक्षण आ संबर्द्धन करबालेल मानवअधिकार आयोगक व्यवस्थाक संगहि मौलिक हकक भागमे स्वतन्त्रता आ समानताक विशेष हक, छुवाछुतबिरूद्धक हक, शिक्षा आ संस्कृतिक हक, महिलाक हक आ सामाजिक न्यायक हक प्रत्याभूत भेल अछि ।

अन्तरिम संविधान "नेपालमे बाज'बला सब मातृभाषा राष्ट्रभाषा अछि आ नेपाली भाषा सरकारी कामकाजक भाषा हएत" से बातक उल्लेख केने अछि । संरक्षणक ई प्रावधान रहलाक बाद नेपाली जनताक लेल विविधता आ सामाजिक समावेशीकरण बिशेष रूपसँ यथार्थ बनबाक चाहैं छलै मुदा से नहि भ' सकलै, ई यथार्थ अछि । ताहिलेल नवसंविधानमे आओर बेसी स्पष्ट आ कार्यान्वयनक संयन्त्रसभक प्रावधानसभ रखबाक चाही । सामाजिक समावेशीकरण स्वयं नहि आबि सकैत अछि । तकरालेल महत्वपूर्ण रूपसँ सहायक कानुन निर्माण आ प्रभावकारी शासन व्यवस्था पूर्व शर्त अछि ।

विविधता आ सामाजिक समावेशिता कोना सुनिश्चित कएल जा सकैए ?

तुलनात्मक संवैधानिक शासन पद्धतिक इतिहासकेँ चित्रित करबाकाल नेपालमे विविधताक संरक्षण आ सामाजिक समावेशिताक सुनिश्चितताक लेल उपयुक्त उपायसभ अवलम्बन करबालेल संविधानसभामे निम्नलिखित बातसभक सम्बन्धमे विचारविमर्श भ' सकैत अछि :

» प्रभावकारी कार्यान्वयन संयन्त्र आ प्रक्रियासभक व्यवस्था करैत देशक सम्पूर्ण जनताक लेल आधारभूत मानवअधिकार, स्वतन्त्रता आ सुरक्षाक प्रत्याभूति करबालेल उपायसभ खोजब ।

» नेपालक जातीय, भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संरचना, स्रोतसभक बाँटफाँट आ देशक अन्य धरातलीय यथार्थसभकेँ ध्यान दैत नेपाली जनताक लेल उपयुक्त संघीय स्वरूपक निर्धारण ।
» जातीय, भाषिक आ धार्मिक समूहसभक चाहनासभक संगहि केन्द्रीय नीति निर्माणमे प्रान्तीय विचारसभक प्रतिनिधित्व करबाक हिसाबसँ उपरूका सदनक व्यवस्था ।
» संघीय संरचनाअन्तर्गत स्थानीय संघीय एकाइसभकेँ पर्याप्त स्वायत्तता आ अधिकार प्रदान ।
» आदिबासी जनजाति समूहसभ मधेशी, दलित आ महिलाक अधिकारसभक प्राथमिकताक संग प्रत्याभूति ।
» प्रान्तीय एकाइसभमे बसोबास करबाकाल अल्पसंख्यक अथवा छोट समूहक आदिबासी जनजाति (अल्पसंख्यकअन्तर्गतक अल्पसंख्यकसभ)क अधिकारक रक्षा ।
» प्रभावकारी आ सहभागितामूलक स्थानीय स्वायत्त शासन प्रणालीक व्यवस्था ।

संवैधानिक विकल्प

संविधान निर्माण प्रक्रियामे विविधता आ सामाजिक समावेशितासम्बन्धी मुद्दासभ सम्बोधन करबालेल विशेष रूपसँ बहुतरास विकल्पसभक सम्बन्धमे सोचल जा सकैत अछि । सामाजिक समावेशिताकेँ सहयोग करबाक हिसाबसँ लक्षित संवैधानिक संरचनाकेँ ईसभ अवसरि आ चुनौती दुनू प्रदान करैत अछि ।

विकल्प	सबल पक्ष	चुनौती
धर्मनिरपेक्ष राज्यक स्थापना क'(अन्तरिम संविधानमे उल्लेख भेल मोताबिक) धार्मिक स्वतन्त्रताक प्रत्याभूति करब ।	» सब जनताक लेल धार्मिक स्वतन्त्रता आ आस्थासम्बन्धी समान अधिकार । » सब धर्मावलम्बीकेँ समान मान्यता प्राप्त भेल तकर अनुभूति । » धार्मिक संघसंस्थासभकेँ राज्यक हस्तक्षेपसँ मुक्ति । » एहन परिस्थितिक सिर्जना, जत' राज्य आ एकर नीतिसभ धार्मिक गुरू तथा प्रभुत्वसँ स्वतन्त्र रहत । » धार्मिक प्रथामे कोनो प्रकारक प्रतिबन्ध नहि हएत ।	» नेपाल एकगोट धार्मिक समाज भेलाक कारणसँ एतुका लोककेँ अपन सार्वजनिक तथा व्यावसायिक जीवनसँ धर्मकेँ हटाक' राखब कठिन हएत । » राज्यक लेल किछु धर्मद्वारा स्वीकृत प्रदान कएलगेल चालचलनिसँ महिला, जोखिममे (संकटमे) पड़ल सामाजिक समूहसभ तथा बालबालिका सभक लेल होब'बला हानिकारक तथा भेदभावपूर्ण व्यवहारकेँ नियन्त्रण करबामे कठिनाई ।

विकल्प	सबल पक्ष	चुनौती
मौलिक अधिकारसम्बन्धी विस्तृत अधिकारपत्र उपलब्ध कराक' कार्यान्वयनक लेल उचित संयन्त्रक सिर्जना करब ।	» सब जातजाति, आदिबासी, धार्मिक, सांस्कृतिक तथा भाषिक समूह तथा समुदायसभक लेल आधारभूत मौलिक अधिकारसभक प्रत्याभूति । » अल्पसंख्यकसभद्वारा मांग कएलगेल मोताबिक व्यक्तिगत तथा सामूहिक अधिकारक संरक्षण । » सीमान्तकृत समूहसभकेँ समता प्रदान करबालेल सकारात्मक विभेदक लेल डेग बढाएब ।	» नव संरचनाकेँ प्रभावकारी ढंगसँ कार्यान्वयनक लेल न्यायपालिका, पुलिस, प्रशासन, शिक्षा प्रणाली सनक राज्यक संस्थासभक आवश्यकता पड़त ।
सान्दर्भिक संघीयता	» पहिचानपर आधारित समूहसभकेँ ओकरासभक पहिचानक संगहि ओकरासभक भाषा तथा सांस्कृतिक रीतिरिवाजकेँ प्रवर्द्धन करैत अवसरिसभ उपलब्ध कराएब । » स्थानीय समुदाय आ अल्पसंख्यकसभकेँ स्थानीय स्तरिक राजनीति आ आर्थिक क्रियाकलापमे प्रतिनिधित्व तथा सहभागिताक नम्हर अवसरिक प्राप्ति । » सीमान्तीकरण आ बहिष्करणमे कमी आनब । » स्थानीय प्राकृतिक स्रोतसभपर स्थानीयबासीक नियन्त्रणक अधिकार । » आर्थिक विकासक लेल अवसरिमे बृद्धि । » आन्तरिक आत्मनिर्णय आ स्वायत्ततासम्बन्धी अधिकारक अभ्यास ।	» सामाजिक संरचना जटिल (कठिन) भेलाक कारण सीमा पृथक करबाक काज कठिन हएत । » जातीय तथा सामुदायिक द्वन्द्वक सम्भावना । » समन्वय आ सहकार्यक लेल बढ़ैत चापकेँ नीकसँ व्यवस्थापन करबाक काज । » संघीय एकाईसभक बीच स्रोत साधनक बितरण करबालेल उचित संरचनाक आवश्यकता । » राज्य आ समुदायसभक बीच तनावक बृद्धि हेबाक संभावना । » बेसी स्वायत्तताक लेल बढ़ैत अपेक्षा आ मागसँ पृथक राज्यक लेल अलग हेबाक मांग एबाक सम्भावना ।

विकल्प	सबल पक्ष	चुनौती/जोखिम(खतरा)
शक्ति निक्षेपणक लेल स्थानीय स्वायत्तता तथा अन्य संयन्त्रसभ	» स्थानीय जनजाति समूहसभ तथा ओकरासभक भाषा, धर्म आ संस्कृतिकेँ पहिचान आ सम्मान । » स्थानीय बासिन्दासभकेँ स्थानीय प्राकृतिक स्रोतसभपर नियन्त्रणक अधिकार प्राप्त हएब आ स्थानीय तहमे प्रभावकारी ढंगसँ क' सक'बला काजसभ करबाक स्थिति । » अधिक प्रगतिशील शक्तिसँ बाँटफाँटक लेल आवश्यक संरचना सिर्जना हेबाक सम्भावना । » सन्तुष्ट राज्यसभक स्थापना, स्थानीय समुदायसभक बीच बेसी सन्तुष्टि । » स्थानीय तहमे अपनत्वक भावनाक बिकास ।	» सब समुदायमे एहन व्यवस्थापन आ शासनसम्बन्धी कार्यक्षमता नहि हेबाक स्थिति, आवश्यक स्थानीय आवश्यकतासभक परिपूर्ति करबाक दबाबक कारणसँ राष्ट्र निर्माणक दीर्घकालीन योजनासभ छायामे पड़बाक स्थिति ।

निष्कर्ष

संविधानमे निष्पक्षता, सुशासन, विकेन्द्रीकरणसम्बन्धी सिद्धान्त आ पहलक सम्बन्धमे संयन्त्रसभकेँ समावेश होबाक चाही । व्यक्तिगत तथा सामूहिक अधिकारकेँ संरक्षण प्रदान करबालेल एकगोट सबल आ निष्पक्ष न्यायपालिकाक व्यवस्था सेहो होबाक चाही । मुदा, ई प्रावधानसभ मात्र यथेष्ट नहि हएत ताहि बातक जानकारी राखब महत्वपूर्ण हएत । दीर्घकालमे जा क' सभक लेल समानता सुनिश्चित करबालेल सरकारी नीति तथा अभ्यासक प्रयाससभ सेहो ओतबे महत्वपूर्ण हएत ई निश्चित अछि। ओहूसँ महत्वपूर्ण बात जे सब नेपाली एक दोसरकेँ पहिचान आ आवश्यकताक लेल समझदारी देखबैत सहकार्य करए । ओकरासभकेँ अपन अधिकारक मांगक अतिरिक्त दोसरक अधिकारक लेल आदर देखाक' बहुलबादी समाजमे सामन्जस्यताक संग रहबाक जिम्मेवारी बहन करबाक चाही । आखिर बहुलबाद कहलासँ मन:स्थितिक बोध सेहो होइत अछि ।

पुस्तिका शृंखला सम्बन्धमे

संविधानसभाक सदस्यसभकेँ आ इच्छुक सर्वसाधारणकेँ संविधान निर्माण प्रक्रियाक सम्बन्धमे आधारभूत जानकारी उपलब्ध कराएब एहि पुस्तिका शृंखलाक उद्देश्य अछि । ई प्रकाशनसभ संवैधानिक परिणाम सम्बन्धमे कोनो तरहक पूर्वानुमान कर'बला अवधारणापत्र अथवा प्रस्ताव अथवा मनसाय नहि अछि । ई शृंखला संयुक्त राष्ट्रसंघीय विकास कार्यक्रमक (यूएनडीपी) "नेपालमे सहभागितामूलक संविधान निर्माणक लेल सहयोग" (एसपीसीबीएन) परियोजनाक समन्वयमे नेपाली आ अन्तर्राष्ट्रिय संविधानविद्सभक सामूहिक प्रयासक प्रतिफल अछि ।

ई पुस्तिकासभकेँ आओर परिस्कृत बनेबा हेतु प्रतिक्रिया आ टिप्पणीक लेल विशेष अनुरोध अछि । बेसीसँबेसी सुसूचित, प्रतिबद्ध आ रचनात्मक विचारविमर्शकेँ प्रोत्साहित करबामे ई प्रकाशनसभ सफल भेलेपर अपेक्षित उद्देश्यक प्राप्ति भ'सकैए । प्राप्त टिप्पणीसभक आधारपर ई पुस्तिकासभक नव संस्करणक संगहि अतिरिक्त संस्करणसभ तैयार कएल जा सकैत अछि ।

ई शृंखलाकेँ नेपालक किछु प्रमुख भाषामे अनुबाद करबाक क्रममे उँच गुणस्तरक संगहि एहिकेँ सम्बन्धित भाषाक बेसीसँबेसी लोक बुझि सकए ताहिलेल ठीक शब्दावलीक प्रयोगक हरसम्भब प्रयास कएल गेल अछि । शब्दावलीक उपयुक्त आ ठीक प्रयोगक सम्बन्धमे बिभिन्न भाषिक समुदायसभक बीच भविष्यमे विचारविमर्श आ बहस होबाक अपेक्षा कएल जा सकैत अछि । संवैधानिक संवाद केन्द्रक उद्देश्य ओहन बहससभकेँ कोनो प्रकारेँ ओझलमे (छाहरिमे) नहि राखि ओहि भाषासभकेँ सेहो समावेश क' एहि प्रयासमे समाबेशिता आ पहुँचकेँ अधिकतम अभिवृद्धि करब अछि ।

देशमे संविधान निर्माणसँ सम्बन्धित बिषयबस्तुक सम्बन्धमे संवैधानिक संवाद केन्द्रद्वारा तैयार भ'रहल शृंखलाबद्ध पाठ्यसामाग्रीसभक एकटा अंश (भाग) ई पुस्तिका अछि ।

सभासदसभक संगाहि ई विषयबस्तुमे अभिरुचि रखनिहार सर्वसाधारणसमकेँ प्रमुख संवैधानिक अवधारणा आ मुद्दासभमे (समस्यासभमे) संलग्न कराएब एहि शृंखलाबद्ध प्रकाशनक उद्देश्य अछि। शृंखलाअन्तर्गतक प्रत्येक पुस्तिका नेपालमे प्रयुक्त (बाजल जाएबला) प्रमुख भाषासभ (नेपाली, मैथिली, भोजपुरी, थारु, मगर, तामांग, नेवार आ अंग्रेजी) मे उपलब्ध अछि। ई पाठ्यसामाग्रीसभक श्रव्य (सुनएबला) संस्करणक (कैसेट, सिडी) उपलब्धिक संगाहि एहिसभकेँ अनलाइनमे सेहो राखल गेल अछि ।

पहिल चरणमे ई प्रकाशन शृंखलामे समेटलगेल विषयबस्तुसभ एहि प्रकारेँ अछिः राज्य आ धर्म, संघीय प्रणाली, संविधानमे मानव अधिकार, आदिवासी जनजातिक अधिकार, अल्पसंख्यकक अधिकार, सरकारक प्रणालीसभ, स्वतन्त्र न्यायपालिका, स्थानीय स्वशासन, विविधता आ सामाजिक समावेशीकरण आ सहभागितामूलक संविधान निर्माण प्रक्रिया ।

संवैधानिक संवाद केन्द्र
तेसर आ चारिन तल्ला, अल्फा बेटा कम्प्लेक्स, बुद्धनगर, काठमाण्डू
टेलिफोन नं. ९७७-१-४७८५४६६/४७८५४८६/४७८५९९८
ई-मेल : info@ccd.org.np
वेबसाइट : www.ccd.org.np